



माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय विषय कोड परीक्षा का माध्यम

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल
 B () SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH
 मा ()
 B ()
 मा ()
 BOARD OF मा () का
 माध्यमिक शिक्षा
 BOARD मा () मांक **B-23** **1848550**
 माध्यमिक
 BOARD अंकों में परीक्षार्थी का रोल नम्बर
 मा ()
 B ()
 मा ()
 B ()
 माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल
 BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL
 माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

नाम दिव्य गवें उदाहरण अनुसार घोल नम्बर भरे।

उदाहरणार्थ

1	1	2	4	3	9	5	6	8
---	---	---	---	---	---	---	---	---

 एक एक दो चार तीन नौ पांच छः आठ

प्रश्न पत्र का सेट **C**

क :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक **6**
 ख :- परीक्षा का दिनांक **06 03 2023**
 परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक को मुद्रा
हायर सेकेण्डरी परीक्षा 2023
 केन्द्र क्रमांक **181005**
 पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
 06/03/2023

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अकों का योग सही है।
 निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाने।
 उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा: परीक्षक **082** रित मुद्रा
 नन्दराम शर्मा (परीक्षक)
 सरस्वती उमा वि विरसिंहपुर पाली
 जिला उमरिया (म.प्र.)

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।
 प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तियों की प्रविष्टि करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्त	में
1			
2			
3			
4			
5			
6			
7			
8			
9			
10			
11			
12			
13			
14			
15			
16			
17			
18			
19			
20			
21			
22			
23			
24			
25			
26			
27			
28			

ST-16 A4

www.oddindia.com

2



पृष्ठ 2 के अंक

कुल अंक

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक (1)

0628131

उ० (1)

(a) (iv) बेंगलूर ✓

(b) (ii) 1.9 eV ✓

(c) (i) सोधि डायोड ✓

(d) (i) से काम होती है। ✓

(e) (ii) 1.67×10^{-27} kg ✓

(f) (ii) ऐम्पीयर / मीटर² ✓

(g) (iii) $\frac{\pi}{2}$ ✓

3505 तस्मिप त्रिडर्कसि प्रकाश

B
S
E

Laser, Inkjet

उत्तर क्रमांक (2)

उ० (2)

(i) शून्य ✓

(ii) गामा किरणें ✓

(iii) 10^{14} Hz ✓

(iv) घटना ✓

परिधि ✓

& Copier Label



प्रश्न क्र.

(vi) सुग्राहिता । ✓

(vii) शून्य । ✓

उत्तर क्रमोंक (उ)

उ० (8) (i) सत्य । ✓

(ii) असत्य । ✓

(iii) असत्य । ✓

(iv) असत्य । ✓

(v) सत्य । ✓

(vi) असत्य । ✓

(vii) असत्य । ✓

B
S
E

ST-16A4

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक (4)
↔

उ० (4)

- (i) प्रकाश तरंगों का किनारे पर मुड़ना।
- (ii) डायोप्टर (D)।
- (iii) दक्षिणी ध्रुव से उत्तरी ध्रुव की ओर।
- (iv) धारामापी में श्रेणीक्रम में उच्चप्रतिरोध का तार लगाकर।
- (v) ताप बढ़ाने पर अनुगमन वेग प्री बढ़ जाता है।
- (vi) $E = h\nu$
- (vii) वह न्यूनतम आवृत्ति जिससे कम आवृत्ति पर प्रकाश e- उत्सर्जित नहीं होते।

B
S
E





प्रश्न क्र.

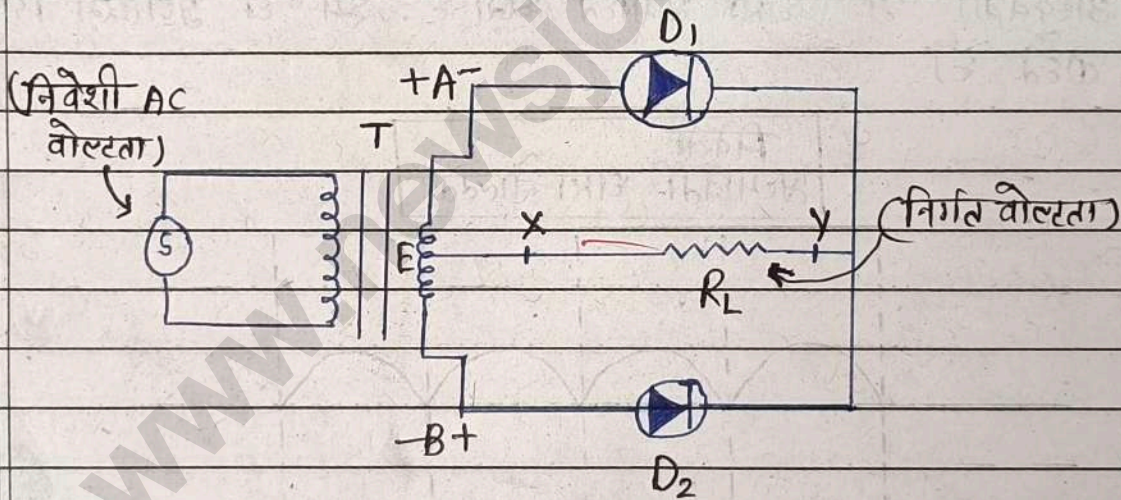
उत्तर क्रमांक (17) (अथवा)

उ०(17)

p-n सेधि डायोड \Rightarrow p-n सेधि डायोड उस डायोड को कहते हैं जो p व n क्षेत्र की एक-एक सतह को पिघलाकर एक विशेष विधि (डॉपिंग) द्वारा बनाता है। इसे ही p-n सेधि डायोड कहते हैं।

B
S
E

* p-n सेधि डायोड का पूर्ण तरंगकारी सिस्टम के रूप में उपयोग \Rightarrow



जब ट्रांसफार्मर की प्राथमिक कुण्डली के चुंबकीय फ्लक्स में परिवर्तन होता है जिससे विद्युत चुंबकीय प्रेरण के नियमानुसार द्वितीयक कुण्डली प्रबल प्रेरित वि.वा. बल उत्पन्न हो जाता है। प्रथम अर्धचक्र में सिरा A, सिरा B के सापेक्ष धनात्मक विभव पर होता है तब सिरा A, E से भी धनात्मक पर होगा अतः डायोड D₁ अभिवायसित होगा तथा धूस माध्यम धारा लोड प्रतिरोध R_L में से X से Y की दिशा में

प्रश्न क्र.

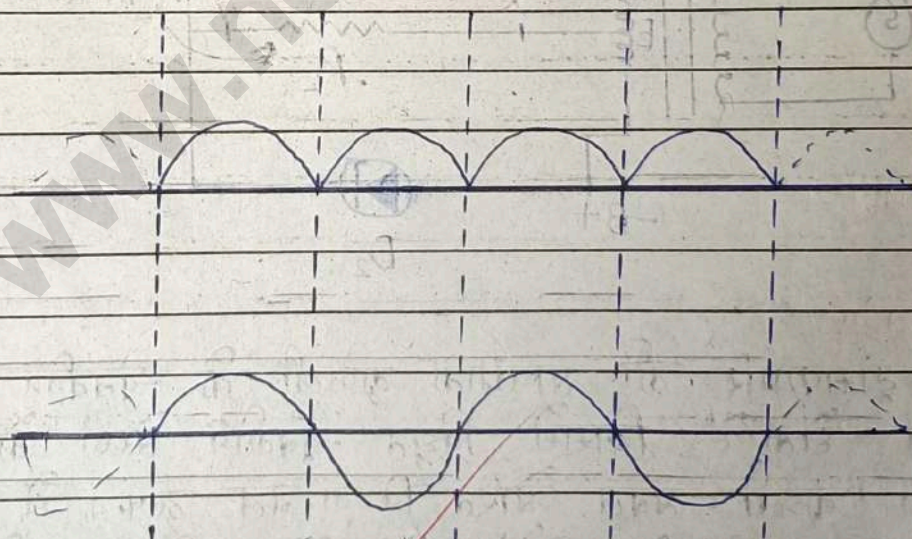
प्रवाहित होगी इसी समय सिरा B, E के सौपेस त्रुणात्मक विभव पर होता है जिससे डायोड D_2 पश्चनाप्रसित तथा इसमें धारा प्रवाहित नहीं होती है।

द्वितीय अर्धचक्र में जब सिरा A सिरा B के सौपेस त्रुणात्मक विभव पर होता है तब E के सौपेस A त्रुणात्मक विभव पर तथा B, E के सौपेस धनात्मक विभव पर होगा। अतः डायोड D_1 उपश्चनाप्रसित होगा तथा इसमें धारा प्रवाहित नहीं होगी वहीं इसी समय डायोड D_2 अग्रवाप्रसित होगा तथा माध्य धारा x से y की दिशा में प्रवाहित होगी। अतः डायोड में धारा व एक ही दिशा में लगातार बहती रहती है। अतः प्रत्यावर्ती धारा वोल्टता के लेनों अर्धचक्रों में धारा प्रवाहित होती है इसे ही पूणतिरंग दिष्टकारी कहते हैं।

B
S
E

B
S*
E

निवेशी
प्रत्यावर्ती धारा वोल्टता



निर्गत वोल्टता

चित्र - पूणतिरंग दिष्टकारी का निवेशी वोल्टता व निर्गत वोल्टता संबंधी ग्राफ



प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमोक्त (18)

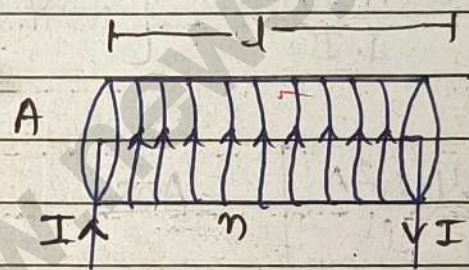
उ. (18) स्वप्रेरकत्व (Self Induction) \Rightarrow जब किसी कुण्डली में बहने वाली धारा के मान में परिवर्तन किया जाता है तब उसके चुंबकीय फ्लक्स में भी परिवर्तन हो जाता है जिससे उसी कुण्डली में प्रेरित वि.वा. बल या प्रेरित धारा उत्पन्न हो जाती है इसे ही स्वप्रेरण की घटना कहते हैं।

मात्रक - हेनरी

विमीय सूत्र - $[ML^2T^{-2}A^{-2}]$

B
S*
E

एक परिनालिका के स्वप्रेरकत्व के लिए व्यंजक \Rightarrow



माना कि किसी परिनालिका की लंबाई l तथा अनुप्रस्थ काट का क्षेत्रफल A है तथा परिनालिका के प्रतिपकोट लंबाई पर इलेक्ट्रॉनों की संख्या n व कुल लंबाई इलेक्ट्रॉनों की संख्या N हो तो परिनालिका में I द्वारा प्रवाहित करने पर परिनालिका के केंद्र पर चुंबकीय क्षेत्र की तीव्रता -

$$B = \mu_0 n I$$

परिनालिका के प्रतिपकोट क्षेत्र से बंध चुंबकीय फ्लक्स

$$\phi = BA$$

प्रश्न क्र.

परिनालिका के संयुक्त कैरी से बंध बद्ध चुंबकीय फ्लक्स =

$$\phi = NBA$$

तब,
$$\phi = N\mu_0 n I A \quad [\because B = \mu_0 n I]$$

$$\Rightarrow \phi = \frac{\mu_0 N \cdot N I A}{l} \quad [\because n = \frac{N}{l}]$$

$$\Rightarrow \phi = \frac{\mu_0 N^2 I A}{l}$$

B
S
E

चूंकि परिनालिका का स्वप्रेरकत्व $L = \frac{\phi}{I}$ से

$$\Rightarrow L = \frac{\mu_0 N^2 I A}{l \cdot I} \quad [\because \phi = \frac{\mu_0 N^2 I A}{l}]$$

$$\Rightarrow \boxed{L = \frac{\mu_0 N^2 A}{l}} \quad \text{Ans.}$$

अधी एक लेनी परिनालिका का स्वप्रेरकत्व होगा।

* स्वप्रेरकत्व को प्रभावित करने वाले कारक :-

(i) परिनालिका का क्षेत्रफल = क्षेत्रफल बढ़ाने पर परिनालिका का स्वप्रेरकत्व बढ़ता है।

(ii) परिनालिका की लंबाई - लंबाई बढ़ाने पर स्वप्रेरकत्व का मान घटता है।

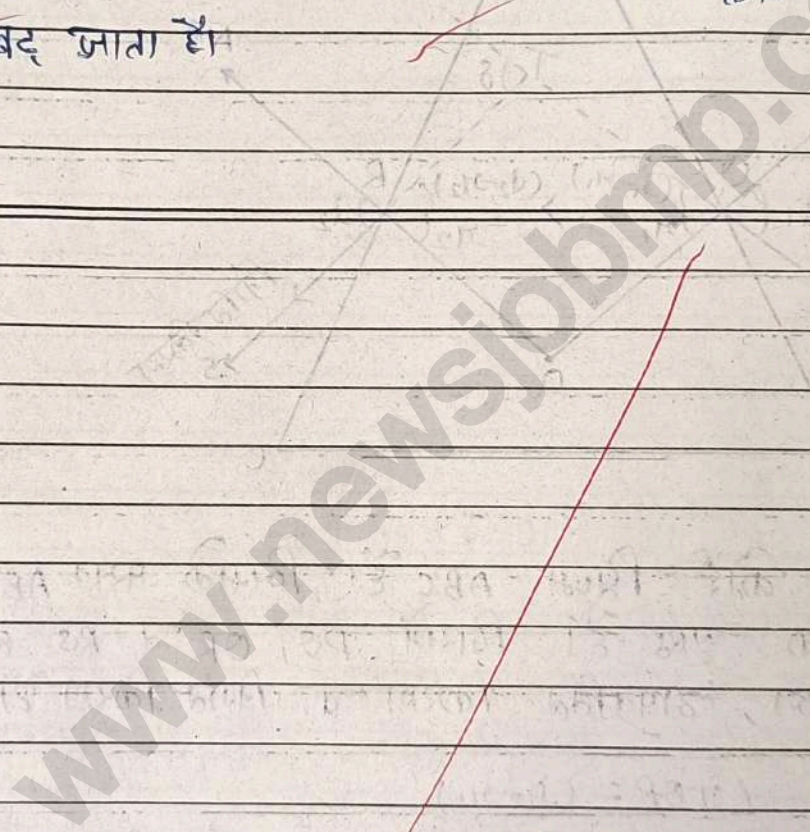


प्रश्न क्र.

(iii) परिनालिका की कैरों की संख्या पर - कैरों की संख्या बढ़ाने पर स्वप्नैकाल का मान बढ़ जाता है।

(iv) परिनालिका की चुम्बकानशीलता - अधिक चुम्बकानशीलता का कोड रखने पर स्वप्नैकाल बढ़ जाता है।

B
S
E

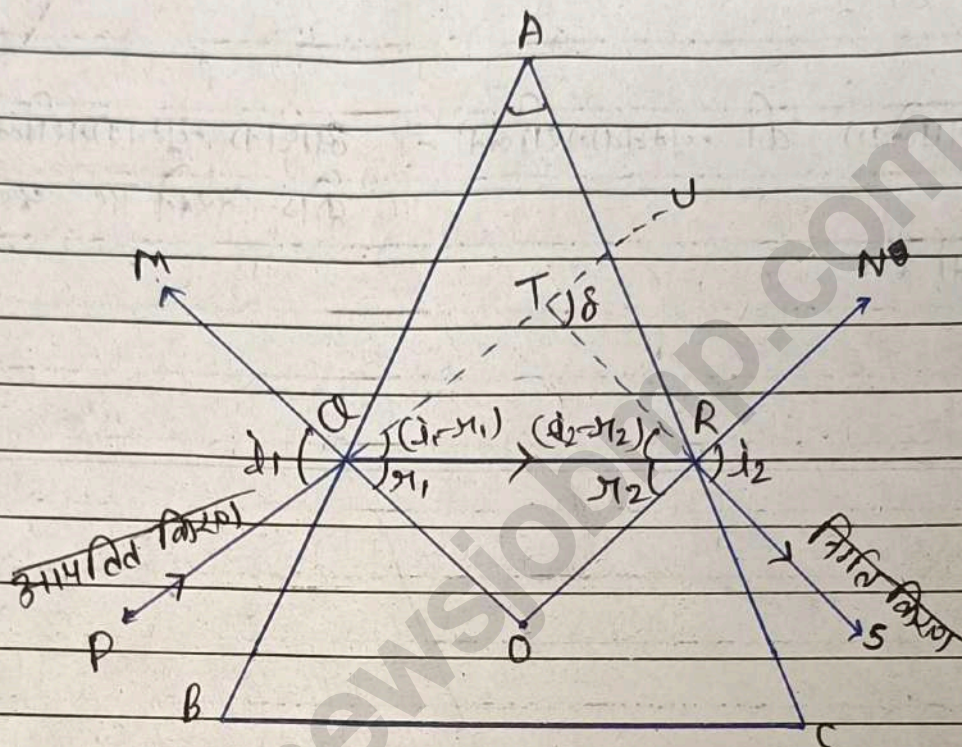


प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक (19)

उ. (19)

B
S
E



माना कि कोई त्रिभुज ABC हो जिसके पक्ष AB व AC अपवर्तक पृष्ठ हों जिसमें PQ, OR व RS क्रमशः आपतित किरण, अपवर्तित किरण व निर्गत किरण हैं चित्र में

$$\angle TOR = (\alpha_1)$$

$$\angle TRO = (\alpha_2)$$

$$\angle MOP = i_1$$

$$\angle NRS = i_2$$

$$\angle ROO = \alpha_1$$

$$\angle LORO = \alpha_2$$

तथा $\angle UTR = \delta$

जहाँ MO व NO अभिलेख हैं।



प्रश्न क्र.

तब, ΔTOR में वृष्टिकोण प्रमेय से,

$$\Rightarrow \delta = (i_1 - r_1) + (i_2 - r_2)$$

यदि किरण माध्य विचलन की स्थिति में हो तो-

$$\Rightarrow \begin{bmatrix} i_1 = i_2 = i \\ r_1 = r_2 = r \end{bmatrix}$$

तब,
$$\delta_m = i - r + i - r$$

$$\Rightarrow \delta_m = 2i - 2r$$

$$\Rightarrow \delta_m = 2(i - r) \quad \text{--- (1)}$$

अब, ΔQOR में

$$r_1 + r_2 + \angle QOR = 180^\circ \quad \text{--- (2)}$$

[\because त्रिभुज के तीनों कोणों का योग 180° होता है]

चक्रीय चतुर्भुज $AQOR$ में

$$\Rightarrow \angle A + \angle QOR = 180^\circ \quad \text{--- (3)}$$

\Rightarrow [\because चतुर्भुज चक्रीय चतुर्भुज के सम्मुख कोणों का योग 180° होता है]

\Rightarrow समी. (2) व समी. (3) से,

B
S
E

प्रश्न क्र.

$$\Rightarrow x_1 + x_2 = A$$

माध्य क्विलन की स्थिति में,

$$\boxed{x_1 = x_2 = x}$$

 \Rightarrow

$$2x = A$$

 \Rightarrow

$$\boxed{x = \frac{A}{2}}$$

x का मान समी. ① में रखने पर,

 \Rightarrow

$$\delta_m = 2\left(x - \frac{A}{2}\right)$$

 \Rightarrow

$$\delta_m = 2x - A$$

 \Rightarrow

$$\boxed{\frac{\delta_m + A}{2} = x}$$

 \Rightarrow

$$\boxed{x = \frac{\delta_m + A}{2}}$$

\therefore स्नेल के नियम से-

 \Rightarrow

$$x = \frac{\sin i}{\sin r}$$

हव [जहाँ r आपतन कोण व x अपवर्तन कोण है]

प्रश्न क्र.

जो व μ के मान रखने पर,

$$\Rightarrow \mu = \frac{\sin\left(\frac{\delta m + A}{2}\right)}{\sin\left(\frac{A}{2}\right)} \quad \text{सिद्ध हुआ।}$$

उत्तर क्रमांक (13)

B
S
E

दिया है -

$$R_1 = 10 \text{ cm}$$

$$R_2 = 15 \text{ cm}$$

$$f = 12 \text{ cm}$$

 μ

ज्ञात करना है -

$$\mu = ?$$

चूंकि हम जानते हैं लेंस निर्माण (lens maker) सूत्र से -

$$\Rightarrow \frac{1}{f} = (\mu - 1) \left[\frac{1}{R_1} - \frac{1}{R_2} \right]$$

$$\Rightarrow \frac{1}{12} = (\mu - 1) \left[\frac{1}{10} - \frac{1}{15} \right]$$

$$\Rightarrow \frac{1}{12} = (\mu - 1) \left[\frac{15 - 10}{150} \right]$$



प्रश्न क्र.

$$\Rightarrow \frac{1}{12} = (M-1) \left[\frac{5}{150} \right]$$

$$\Rightarrow \frac{1}{12} = (M-1) \cdot \frac{1}{30}$$

$$\Rightarrow \frac{1}{12} \times 30 = (M-1)$$

$$\Rightarrow \frac{5}{2} = M-1$$

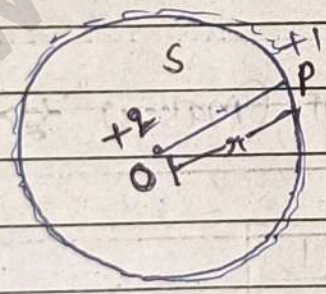
$$\Rightarrow 2.5 + 1 = M$$

$$\Rightarrow \boxed{M = 3.5} \text{ Ans.}$$

B
S
E

उत्तर क्रमोंक (14)

30 (14)



माना कि एक O केंद्र तथा S बिज्या की स्पर्श करतें हैं। के जिसके केंद्र पर +2 व 1 इन्टी डिग्रि बिंदु पर 1 (परिमाणु आवेश) स्थित हैं। यह गोलै का पृष्ठ गोलीय पृष्ठ की तरह काम करत हैं। जिसमें विद्युत क्षेत्र एकसमान व विद्युत क्षेत्र के लंबवत बाह्य की ओर होगा यदि इसका क्षेत्रफल 5 हो तो विद्युत फ्लक्स -



प्रश्न क्र.

$$\Rightarrow \Phi E = Es \cos \theta$$

\Rightarrow θ का मान 0° होगा $[\because$ लेबल है]

$$\Rightarrow \Phi E = Es \quad (1)$$

गॉस की प्रमेय से -

$$\Phi E = \frac{1}{\epsilon_0} \cdot q \quad (2)$$

समी. (1) व समी. (2) से

**B
S
E**

$$\Rightarrow Es = \frac{1}{\epsilon_0} \cdot q$$

$$\Rightarrow E = \frac{1}{\epsilon_0} \cdot \frac{q}{s}$$

$$\Rightarrow E = \frac{1}{\epsilon_0} \cdot \frac{q}{4\pi r^2} \quad [\because \text{गोले का पृष्ठीय क्षेत्रण} = 4\pi r^2]$$

$$\Rightarrow E = \frac{1}{4\pi \epsilon_0} \cdot \frac{q}{r^2} \quad (3)$$

अब यदि परीक्षण आवेश का मान q_0 हो तो आवेशों के बीच लगने वाला बल

$$F = E q_0$$

तब, समी. (3) से

$$\Rightarrow F = \frac{1}{4\pi \epsilon_0} \cdot \frac{q \cdot q_0}{r^2}$$

$$\Rightarrow F = \frac{1}{4\pi \epsilon_0} \cdot \frac{q q_0}{r^2} \quad \text{N Ans.}$$

यही कूलॉम का व्युत्क्रम वर्ग का नियम है।

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक (15) (अथवा)

उ० (15)

प्रतिरोध (Resistance)

विशेष प्रतिरोध (Specific Resistance)

(1) चालक में धारा के मार्ग में उत्पन्न अवरोध को प्रतिरोध कहते हैं।

(1) एकांक लंबाई एवं एकांक अनुप्रस्थ काट के क्षेत्रफल वाले चालक के प्रतिरोध को ही विशेष प्रतिरोध कहते हैं।

(2) यह चालक की लंबाई व अनुप्रस्थ काट के क्षेत्रफल पर निर्भर करता है।

(2) यह लंबाई व क्षेत्रफल पर निर्भर नहीं करता है।

(3) इसका SI मात्रक ओम होता है।

(3) इसका SI मात्रक ओम ही होता है।

(4) इसका विमीय सूत्र -
[$ML^2T^{-3}A^{-2}$]

(4) इसका विमीय सूत्र -
[$ML^3T^{-3}A^{-2}$]

B
S
E



प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमोंक (16)

उ० (16)

दिया है - (Given) - विद्युत सामर्थ्य (पहले बल्ब का) $P_1 = 100W$
(दूसरे बल्ब का) $= P_2 = 400W$

तथा n व दोनो बल्बों की वोल्टता समान समान है।

ज्ञात करना है - R_1 व R_2 की तुलना करना है।

∴ हम सभी जानते हैं कि $P = VI$

किंतु $I = \frac{V}{R}$ से

$$\Rightarrow P = V \cdot \frac{V}{R}$$

$$\Rightarrow P = \frac{V^2}{R}$$

$$\Rightarrow \because V \text{ नियत है अतः } P \propto \frac{1}{R}$$

तब, पहले बल्ब का व दूसरे बल्ब के प्रतिरोधों का अनुपात =

$$\Rightarrow \frac{P_1}{P_2} = \frac{R_2}{R_1}$$

$$\Rightarrow \frac{100}{400} = \frac{R_2}{R_1}$$



प्रश्न क्र.

$$\Rightarrow \frac{1}{4} = \frac{R_2}{R_1}$$

$$\Rightarrow \boxed{R_1 : R_2 = 4 : 1} \quad \text{Ans.}$$

अतः पहले बल्ब व दूसरे बल्ब के प्रतिरोधों के मध्य अनुपात 4:1 होगा।

उत्तर क्रमोक्त (5)

उ. B) बायो सेक्टर का नियम \Rightarrow सन् 1820 में बायो एवे सेक्टर ने धारावाही तार के समीप चुंबकीय क्षेत्र की तीव्रता ज्ञात करने के लिए एक नियम का प्रतिपादन किया जिसे बायो-सेक्टर का नियम कहते हैं।
सदिश रूप में -

$$\vec{dB} = \frac{\mu_0}{4\pi} \cdot \frac{Idl \sin\theta}{r^3} \quad \text{Ans.}$$

उत्तर क्रमोक्त (6)

उ० (6) दिया है -

$$P = 200W$$

$$V = 220V$$

ज्ञात करना है -

$$R = ?$$

$$\therefore \boxed{P = VI = \frac{V^2}{R}}$$



प्रश्न क्र.

तब,

$$200 = \frac{220 \times 220}{R}$$

$$\Rightarrow \frac{200}{220 \times 220} = \frac{1}{R}$$

$$R = \frac{220 \times 220}{200}$$

$$R = 484 \Omega \text{ (ओहम)} \quad \text{Ans}$$

उत्तर क्रमोक्त (7) (अथवा)



अपवर्ती दूरदर्शी

परावर्ती दूरदर्शी

(i) इनका समापोजन आसानी से हो जाता है।

(i) इनका समापोजन आसान नहीं होता है।

(ii) इस दूरदर्शी में वर्ण विपथन व गोलीय विपथन का दोष पाया जाता है।

(ii) इस दूरदर्शी में कोई भी दोष नहीं होता है।

(iii) यह लेबी होती है।

(iii) ये कम लेबी होती है।



प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमोंक (8)

उ० (8)

प्रकाश विद्युत प्रभाव (photo electric effect) \Rightarrow

जब कोई उपयुक्त आवृत्ति का विकिरण किसी धातु की सतह पर आपतित होने से इलेक्ट्रॉनों के उत्सर्जित होने की इस परिघटना को 'प्रकाश विद्युत प्रभाव' कहते हैं। इस प्रभाव की 'दृष्टि' तथा व्याख्या 'आइंस्टीन' ने की है।

आइंस्टीन का प्रकाश विद्युत समीकरण -

B
S
E

$$\Rightarrow \frac{1}{2} m v_{\max}^2 = h(\nu - \nu_0)$$

जहाँ h - प्लॉक नियतांक

ν - कॉरोन की आवृत्ति

ν_0 - देहली आवृत्ति

उत्तर क्रमोंक (9)

उ० (9)

बॉर मॉडल के अनुसार - (i) इलेक्ट्रॉन केवल उन्हीं कक्षाओं में चक्कर लगाते हैं जिनका

कोणीय संवेग $\frac{h}{2\pi}$ का पूर्ण गुणज होता है। यदि कक्षा का द्रव्यमान m तथा कक्षा की त्रिज्या जब वेग v है तब,

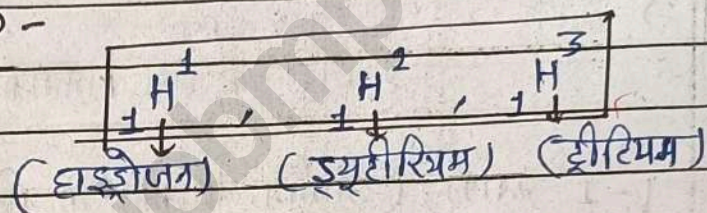
$$\Rightarrow mvr = \frac{nh}{2\pi}$$

बॉर की परिकल्पना के अनुसार श्रेणियों के स्पेक्ट्रम रेखीय स्पेक्ट्रम होते हैं।

उत्तर क्रमोंक (10)

उ. (10) समस्थानिक \Rightarrow एक ही तत्व के ऐसे नाभिक परमाणु जिनके नाभिक में 'प्रोटॉनों' की संख्या अर्थात् परमाणु संख्या समान हो समस्थानिक कहलाते हैं।
(Isotopes)

हाइड्रोजन के समस्थानिक -

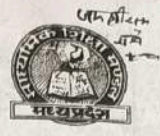


उत्तर क्रमोंक (11)

उ. (11) मूल आवेश \Rightarrow "इलेक्ट्रॉन के आवेश को ही मूल आवेश कहते हैं।"

मूल आवेश का मान -

$$1.6 \times 10^{-19} \text{ C}$$



प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमोंक (12) (अथवा)

उ. (12) ओम का नियम \Rightarrow

"यदि किसी चालक की भौतिक अवस्था में परिवर्तन न हो तब चालक के सिरों के बीच उत्पन्न विभवान्तर उस चालक में उत्पन्न धारा के समानुपाती होता है।" यही ओम का नियम है।

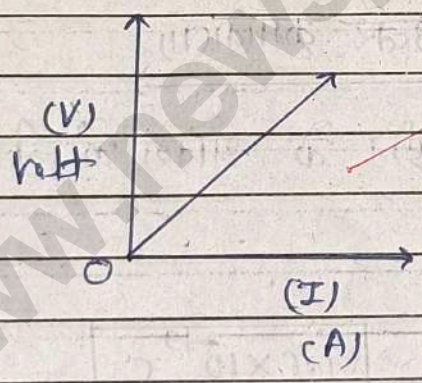
$\Rightarrow V \propto I$

$\Rightarrow V = RI$

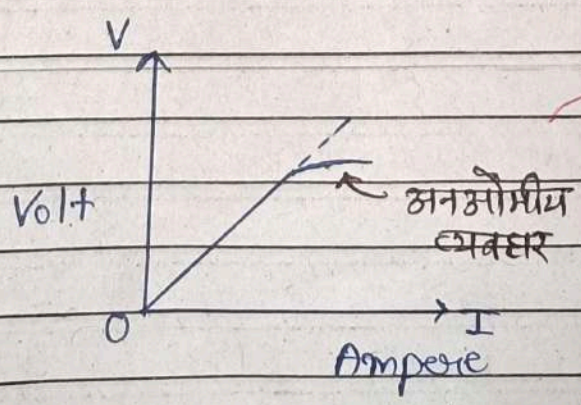
\rightarrow जहाँ R एक नियतांक है जिसे चालक का प्रतिरोध कहते हैं।

B
S
E

V-I ग्राफ (ओमीय चालकों के लिए)



V-I ग्राफ (अनओमीय चालकों के लिए)



अपने व्हाट्सएप नंबर पर
मध्यप्रदेश की
स्कूल, कॉलेज, सरकारी एवं
प्राइवेट नौकरियों की
जानकारी प्राप्त करने के
लिए **+917247520304** दिए
गए व्हाट्सएप नंबर पर
व्हाट्सएप में **MP** लिखकर
भेजें

(पहले नंबर newsjobmp.com के नाम से सेव करें फिर आपने जिले का नाम लिखकर

व्हाट्सएप पर मैसेज भेजें)